पाठ 8

कोलिहा खोलिस चश्मा दुकान

चश्मा बड़ काम के चीज आय। जब कोनो मनखे के आँखी कमजोर हो जाथे, तब ओला चश्मा लगाय बर परथे। कई झन घाम ले अपन आँखी ल बचाय बर घलो चश्मा लगाथें। सोंचव, कभू जंगल के जानवर मन अपन आँखी म चश्मा लगाहीं त का होही? आवव, ये कहानी म पढ़न।

जंगल म एक कोलिहा रहय। कोलिहा बड़ चतुरा रहय। एक दिन वो अपन माड़ा म बइठे–बइठे सोचिस, जंगल म चश्मा के दुकान खोले जाय। जंगल के चिरइ–चुरगुन अउ छोटे–बड़े जानवर चश्मा बिसाहीं त बड़ कमइ होही।

दूसर दिन वो शहर जाके रकम–रकम के चश्मा ले आनिस अउ बीच जंगल म मउहा तरी खोल डारिस चश्मा के दुकान।

जंगल के चिरई–चुरगुन अउ जानवर चश्मा बिसाय बर दुकान म आय लागिन। कोलिहा के दुकान म भीड़ लगगे। बेंदरा ल करिया रंग के चश्मा पसंद आइस। भालू ल सफेद चश्मा पसंद आइस अउ हइरना ल लाल।

खरगोस के पसंद सबले निराला राहय। ओला कोनो चश्मा पसंद नइ आवत रहय, कभू एला पहिर के देखय कभू ओला पहिर के देखय। कोलिहा कहिथे "तोर सफेद रंग म हरियर चश्मा खुलही, पहिर के देख।"

खरगोस ल कोलिहा के बात जमगे। वो ह हरियर चश्मा ल पसंद कर लिस।

शिक्षण संकेतः लइका मन ल चश्मा के उपयोग बतावत पाठ ले जोड़ँय। कहानी ल पढ़ के सुनावँय। फेर पारी–पारी ले लइका मन ले एक–एक अनुच्छेद पढ़वावँय। लइका मन के उच्चारण उपर ध्यान देवँय।

हाथी ल ओखर नाप के चश्मा नइ मिलत रहय। जेने चश्मा ल लगाय तेने छोटे पड़ जाय। ओहा कोलिहा ले कहिस, ''कोलिहा भाई, तैं मोर नाप के चश्मा बनवा के ला देबे। पिंवरा रंग के चश्मा लानबे''।

कउँवा अउ मिट्ठू घलो चश्मा बिसाय बर आइन। कउँवा ह करिया रंग के चश्मा ल पसंद करिस अउ मिट्ठू ह हरियर। कोलिहा कहिथे, '' ये ठीक हे, जइसन रंग तइसन चश्मा।''

फेर एक ठन मुस्कुल खड़े होगे। कउँवा अउ मिट्ठू के कान तो बाहिर कोती निकले नइ रहय। चश्मा के डंडी ल अटकाँय कामें? कोलिहा कहिस– ''चश्मा के डंडी म नान–नान सुतरी बाँध लेवव। मुड़ी म अरझात बन जाही।''

कउँवा अउ मिट्ठू हा वइसने करिन अउ चश्मा लगा के खुशी–खुशी बिदा होइन।

सब के जाय के बाद संझउती–संझउती चश्मा दुकान म घुघुवा पहुँचिस। घुघुवा ह कोलिहा ले कहिथे, ''मोर आँखी दिन म चकचकाथे। मोला अइसन चश्मा देखा जेला पहिर के मैं दिन म देख सकँव।''

कोलिहा कहिस, ''तैं पहिली गरुड़ डॉक्टर ले अपन आँखी के जाँच करवा के आ। तब तोला चश्मा देहूँ।''

अब जंगल के चिरइ–चुरगुन अउ जानवर मन अपन आँखी म चश्मा चढ़ाय जंगल म गिंजरँय।

एक दिन बेंदरा ह करिया चश्मा लगाके जात रहिय। रद्दा म ओला एक ठन चिरइजाम के रूख दिखिस। ओमा झोत्था–झोत्था करिया–करिया चिरइजाम फरे दिखत राहय। बेंदरा बड़ खुश होगे। ओ ह झटकुन पेड़ म चढ़िस अउ चिरइजाम टोर–टोर के खाय लगिस। फेर ओला जाम के स्वाद ह कच्चा चिरइजाम सही लागे।

ओ ह अपन आँखी के चश्मा ल उतार के देखिस। चिरइजाम ह कच्चा रहिस, हरियर–हरियर।

ओ डहर हइरना ह लाल चश्मा पा के बड़ खुस रहय। ओ ह चश्मा लगाय कूदत–नाचत जात रहय तभे ओला पियास लगिस। ओ ह पानी पिये बर नंदिया तीर पहुँचिस। नंदिया के पानी ओला लाल दिखिस। हइरना डर्रागे, ओ ह पानी पिये बिना लहुटत रहय। तभे ओला सुरता अइस के ओखर आँखी म लाल चश्मा लगे हे। ओ ह चश्मा तुरते उतार के देखिस। नंदिया के पानी बिल्कुल साफ रहय।

खरगोस राजा के तो साने निराला राहय। वो ह हरियर चश्मा लगाके दरपन म अपन मुख ल देखे अउ खुस होवय। ओला चारों–मुड़ा हरियर–हरियर दिखय। सुक्खा काँदी ह घलो ओला हरियर–हरियर दिखय।

खरगोस ल सुक्खा काँदी ल खावत देखँय त जंगल के दूसर जानवर मन हाँसँय। खरगोश समझ नइ पाय के ये मन काबर हाँसत हवँय ?

धीरे–धीरे जंगल के सबो जानवर समझगें के चश्मा पहिरना उँखर हित म ठीक नइ हे। देखा–देखी म कोनो काम नइ करना चाही। सब अपन–अपन चश्मा ल निकाल के फेंक दिन। कोलिहा के चश्मा दुकान बंद होगे।

छत्तीसगढ़ी शब्द के हिन्दी अर्थ

माड़ा = गुफा या माँद	बिसाना = खरीदना
तरी = नीचे	अरझाना = टाँगना
झोत्था = गुच्छा	चिरइजाम = छोटा जामुन
सुक्खाकाँदी = सूखी घास	चारों–मुड़ा = चारों दिशा

प्रश्न अउ अभ्यास

कक्षा ल दू दल म बाँटके लइका मन ल एक–दूसर ले मुँहअँखरा प्रश्न–उत्तर करवावँय। लइका मन के प्रश्न–उत्तर के पाछू गुरुजी दूनो दल ले खुद कुछ मुँहअँखरा प्रश्न पूछँय। कुछु प्रश्न अइसन हो सकत हे–

क. कोलिहा ह चश्मा दुकान कहाँ खोलिस ?

ख. चश्मा दुकान म संझउती–संझउती कोन पहुँचिस ?

प्रश्न 1 खाल्हे लिखाय प्रश्न के उत्तर लिखव–

क. भालू ल कोन रंग के चश्मा पसंद अइस ?

ख. खरगोस कोन रंग के चश्मा ल पसंद करिस ?

ग. कोलिहा ह घुघुवा ले का कहिस ?

घ. बेंदरा ल जाम करिया–करिया काबर दिखत राहय ?

ङ. हइरना ह बिना पानी पिये काबर जावत राहय ?

च. खरगोस ल देख के दूसर जानवर मन काबर हाँसँय ?

छ. कोलिहा के चश्मा दुकान काबर बंद होगे?

प्रश्न 2 सोंचव अउ लिखव–

क. हाथी ल ओखर नाप के चश्मा काबर नइ मिलिस?

ख. मनखे अपन आँखी म चश्मा काबर लगाथे?

प्रश्न 3 कोन काकर ले कहिस ?

क. "तोर सफेद रंग म हरियर चश्मा खुलही।"

ख. "ये ठीक हे, जइसन रंग, तइसन चश्मा।"

ग. "मोला अइसन चश्मा देखा, जेला पहिर के मैं दिन म देख सकँव।"

भाषा–तत्व अउ व्याकरण

इहाँ हम सीखबो–उल्टा अर्थ वाला शब्द, काल बदलना, बहुवचन रूप बनाना, शब्द ल वाक्य म प्रयोग करना।

प्रश्न 1 खाल्हे लिखाय शब्द मन ल पढ़व अउ लिखव –

हइरना, जानवर, मुस्कुल, सँझउती, झोत्था–झोत्था, डर्रागे, कउँवा, सुक्खा।

प्रश्न 2 'तरी' के उल्टा अर्थ वाला शब्द 'ऊपर' आय। अइसने नीचे लिखाय शब्द मन के उल्टा अर्थ वाला शब्द लिखव –

बिसाना , मुस्कुल, बाहिर, सुक्खा, छोटे।

समझव

क. बेंदरा ह करिया चश्मा लगाय जावत हे।

ख. बेंदरा ह करिया चश्मा लगाय जावत रहिस।

ग. बेंदरा ह करिया चश्मा लगाके जाही।

'क' वाक्य वर्तमान काल के बात बतावत हे।

'ख' वाक्य भूतकाल के बात बतावत हे।

'ग' वाक्य भविष्य काल के बात बतावत हे।

प्रश्न 3 क. खाल्हे लिखाय वाक्य ल भूतकाल म बदलव –

(1) कोलिहा बड़ चतुरा हे।

(2) जाम कच्चा हे।

ख. खाल्हे लिखाय वाक्य ल भविष्यकाल म बदलव –

(1) कोलिहा के दुकान म भीड़ लगे हे।

(2) तोर सफेद रंग म हरियर चश्मा खुलत हे।

समझव

- "ओमा झोत्था–झोत्था करिया–करिया जाम फरे हे।"

ऊपर लिखाय वाक्य म 'झोत्था' अउ 'करिया' शब्द ह दू बेर आय हवय।

प्रश्न 4 खाल्हे लिखाय शब्द के जोड़ी ल अपन वाक्य म प्रयोग करव–

गुरतुर–गुरतुर, बिहनिया–बिहनिया, आगू–आगू, कच्चा–कच्चा।

समझव

खाल्हे लिखाय वाक्य ल पढ़व–

- जानवर मन अपन आँखी म चश्मा चढ़ाय जंगल म गिंजरँय।

ये वाक्य म 'जानवर' शब्द म 'मन' जोड़के बहुवचन रूप बनाय गे हवय।

प्रश्न 5 खाल्हे लिखाय शब्द म 'मन' जोड़के बहुवचन रूप बनावव अउ अपन वाक्य म प्रयोग करव –

लइका, चिरइ, गुरुजी, हाथी, बइला।

रचना

- हाथी अपन आँखी म चश्मा लगाही त कइसन दिखही, सोंचव अउ ओखर चित्र बनावव।

योग्यता विस्तार

1. जंगल के चिरइ–चिरगुन अउ जानवर के कोनों किस्सा अपन कक्षा म सुनावव।
2. पशु–पक्षी मन के मुखौटा बनावव।
3. पशु–पक्षी के मुखौटा लगा के उँखर नकल उतारव।

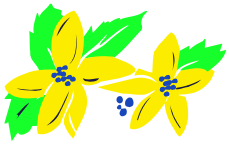

4I8GCF